Teachingninja.in

Latest Govt Job updates

Private Job updates

Free Mock tests available

Visit - teachingninja.in

HPJS (Mains)

Previous Year Paper (English) Paper-IV 2016

Teachingninja.in

This question paper contains 3 printed pages]

HPJS (Main) Examination—2016 (II)

ENGLISH

Paper IV

Time : 3 Hours *Maximum Marks :* 150

1. Write an essay on any *one* of the following topics : 100

   (*a*) Information is not knowledge.

   (*b*) If I were the Education Minister of India.

   (*c*) As you sow, so shall you reap.

2. Translate the following into English : 50

हद हो गई, आज भी हर प्रकार के अनाज, दालों व अन्य खाद्य पदार्थों के भाव आसमान को छू रहे हैं। क्या देश में पर्याप्त अन्न उपजना बन्द हो गया है, क्या किसान के बाजुओं का दम

P.T.O.

Teachingninja.in

चुक गया है ? भई देश में अन्न तो पहले की अपेक्षा कहीं अधिक उपज रहा है, पर फिर भी अन्न का संकट है। किसान भी जैसी हाड़-तोड़ मेहनत पहले करता था, आज भी करता है। बात है सिर्फ मुनाफ़ाखोरी की।

व्यापारी अब अपने माल को ऊँचे से ऊँचे दाम पर बेच बेतहाशा तरक्की की फिराक में हैं। वे जमाखोरी कर जिन्सों की नकली कमी पैदा करते हैं, माँग और आपूर्त्ति का छद्म अन्तर पैदा करते हैं और विकल्पहीन ग्राहकों से मनमाने भाव वसूलते हैं। उन्होंने फसलों के 'अग्रिम व्यापार' जैसे तरीके भी विकसित कर लिये हैं। ऐसे तरीकों से देश में काला धन कमाने के नए-नए आयाम पनप रहे हैं।

तो क्या मुनाफाखोरों से मुक्ति पाने का कोई उपाय नहीं है ? अवश्य है। सरकार कड़े कानून बनाकर इसे रोक सकती है। अपराधियों को त्वरित व कड़ा दण्ड देकर वह आसमान में छेद

Teachingninja.in

करते भावों पर काबू बना सकती है। बात है तो केवल इच्छाशक्ति की, स्पष्ट नीतियों की, ईमानदारी, नेकनीयती व दृढ़ता की। हमारे नीति निर्धारकों को यह बात ध्यान रखनी चाहिये कि उनकी उदारता अन्न उगाने वालों व उपभोक्ताओं के प्रति हो न कि व्यापारियों के प्रति।

ऐसी व्यवस्था किस काम की जो एक तरफ तो कृषकों को खेती से निरुत्साहित करे क्योंकि उन्हें उनकी लागत व मेहनत के भी दाम नहीं मिल पाते, तथा दूसरी ओर खाद्यान्न को उपभोक्ताओं की पहुँच से बाहर कर दे। ऐसे में तो देश उस मोमबत्ती की तरह हो जाएगा जो दोनों सिरों से जल कर तीव्र गति से राख हो रही है।

Teachingninja.in